हमारी बात

मुझे लड़ना नहीं, किसी प्रतीक के लिए
किसी संग्राम के लिए, किसी नाम के लिए
मुझे लड़नी है लड़ाई, छोटे लोगों के लिए
छोटी बातों के लिए, छोटे ख़्वाबों के लिए

महिला सशक्तिकरण की बात चले एक लम्बा अर्सा गुज़र गया है। इस दौरान समाज में औरतों के बढ़ते योगदान को कुछ हद तक स्वीकारा भी गया है; फिर चाहे सामाजिक, राजनैतिक, साहित्य या आर्थिक स्तर पर उनकी मौजूदगी यदा-कदा ही प्रत्यक्ष रही हो अथवा अपर्याप्त तरीकों से उजागर हुई हो।

अंग्रेज़ी हुकूमत के विरुद्ध गांधीजी के असहयोग आंदोलनों में भारी संख्या में महिलाएं शामिल थीं। बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश के सामाजिक सुधार प्रयासों से भी महिलाएं जुड़ी थीं। ये महिलाएं भारतीय समाज के विकास में अपनी सशक्त मौजूदगी दर्ज कराती रही हैं। इसके अलावा निर्धारित मानदण्डों को चुनौती देते हुए, अपनी शर्तों पर, अपनी चाहतों में उड़ान भरती अनेक महिलाओं की मिसालें भी हमारे सामने हैं। इन सबलाओं ने यह नहीं सोचा कि लीक से हटकर चलने पर समाज क्या कहेगा, वे किसी की इजाज़त या रज़ामंदी लेने के लिए भी नहीं थमीं। बस अपने जीवन में कुछ कर दिखाने का जुनून ले हौसले भरे क़दमों के निशान बनाती रहीं।

हम सबला का यह अंक कुछ ऐसी जीवट औरतों के अथक संघर्षों को सामने लाने का एक विनम्र व हार्दिक प्रयास है। यहां पर शामिल औरतों के जीवन के चित्रण के अलावा हमारी कोशिश यह भी रही है कि समाज के बदलते परिवेश में उनके योगदान को भी रेखांकित कर सकें। ये औरतें सबल हैं— साथ ही हमें सबला बनाने की क्षमता भी रखती हैं। अपने जीवन की जद्दोजेहद, खुशी, हार-जीत, उतार-चढ़ाव को बांटते हुए ये हमें प्रेरित करती हैं और हमारे मानस पर एक अमिट छाप छोड़ जाती हैं।

छोटी-छोटी शुरूआतों के साथ अलग-अलग वर्ग, क्षेत्र, तबके से जुड़ी ये महिलाएं समाज के विभिन्न आयामों और विमर्शों में औरतों के लिए जगह बनाती रही हैं। कलम, नाटक, फ़िल्म, कविता, आंदोलन, तस्वीर, संगीत साक्षी हैं इनके व अन्य समूहों और समुदायों के आपसी जुड़ाव और परिवर्तन की चाह का।

इतिहास में ये नाम शामिल हों चाहे न हों पर इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि अपने-अपने तरीकों से व अलग-अलग स्तर पर इन सबलाओं का संघर्ष व साहस उन सभी औरतों की ख्वाहिशों का प्रतिनिधित्व करता है व उन्हें हौसला देता है जो इस समाज का आधा हिस्सा है। हम सबला में औरतों की इसी हिम्मत व शक्ति को सलाम करते हुए हम इसका जश्न मनाते हैं।

– जुही